समय- 3 घंटे 100

सूचना-अंतिम प्रश्न अनिवार्य है।

सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1-गीत की परिभाषा बताते हुए उसके तत्वों पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

निबन्ध की परिभाषा देते हुए स्वातंत्र्योत्तर हिंदी निबन्ध के विकास को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2-निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। 20

(क) माला बिखर गई तो क्या है
खूफ ही हल हो गई समस्या
आँसू गर नीलाम हुए तो
समझो पूरी हुई तपस्या
रूठे दिवस मनाने वालों,फटी कमीज सिलाने वालों
कुछ दीपों के बुझ जाने से,आँगन नहीं मरा करते हैं।

अथवा

चाहे मुझको प्यार न देना
चाहे तनिक दुलार न देना
कर पाओ तो इतना करना
जहम से पहले मार न देना
मैं बेटी हूँ
मुझको भी है

munotes.in

AE4C504051467C9A6FE7FD6F66180C3B

जीने का अधिकार

मइया जनम से पहले मत मार

बाबुल जनम से पहले मत मार

(ख) युद्व के अतिरिक्त संसार मे और भी ऐसे विकट काम होते हैं जिनमें घोर शारीरिक कष्ट ससहना पड़ता है और प्राण हानि तक की संभावना रबती है। अनुसंधान के लिए तुषार मंडित अभ्रभेदी अगम्य पर्वतों की चढ़ाई,ध्रुव देश या सहारा के रेगिस्तान का सफर;क्रूर बर्बर जातियों के बीच अज्ञात घोर जंगलों में प्रवेश इत्यादि भी पूरी वीरता और पराक्रम के कर्म हैं। इनमें जिस आनंदपूर्ण ततपरता के साथ लोग प्रकृत हुए हैं। वह भी उत्साह ही है।

अथवा

मगर देवदारु का नाम केवल देवदारु ही नहीं है। मैंने अपने गाँव के एक महान भूत भगवान ओझा की देवदारु की लकड़ी से भूत भगाते देखा है। आजकल के शिक्षित लोग भूत में विश्वास नहीं करते। वे भूत को मन का वहम मानते हैं। पर गाँव में भूत लगते मैंने देखा है। भूत भी 'लगता' है। सब लगालगी वहम ही होती होगी। आँखों की भी। बिहारी जानते थे। कह गए हैं-'लगालगी लोयन करें,नाहक मन बँधि जाय'। नाहक अर्थात बेमतलब, निरर्थक।

प्रश्न 3- 'जीवन अनुभव की पुस्तक' में प्रतिबिंबित विभिन्न अवस्थाओं का चित्रण कीजिए। 20

अथवा

'अपनी गंध नहीं बेचूँगा' गीत के माध्यम से आम आफ्मी की अनुभूतियों को चित्रित कीजिए।

प्रश्न 4- "राष्ट्र का स्वरूप' निबन्ध की राष्ट्रीयता पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

"पानी है अनमोल' निबन्ध के माध्यम से पानी के महत्त्व को स्पष्ट

munotes.in

AE4C504051467C9A6FE7FD6F66180C3B

कीजिए।

प्रश्न 5- किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।। 20

(क) 'सितारों ने लूटा' कविता की वेदना

(ख) 'आती-जाती साँसे दो सहेलियाँ हैं' में व्यक्त आशा,निराशा

(ग) 'संस्कृति है क्या' निबन्ध की विशेषता

(घ) 'ठिठुरता हुआ गणतंत्र' में छिपा व्यंग्य

---

munotes.in

AE4C504051467C9A6FE7FD6F66180C3B